हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

सीएम धामी ने सरकारी कर्मियों . 8

वर्ष : 14 अंक : 256 | देहरादून, शनिवार 10 मई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

मुख्यमंत्री धामी ने की पलायन निवारण आयोग की समीक्षा बैठक

महिला सशक्तिकरण से श्रेष्ठ बनेगा उत्तराखंड : मुख्यमंत्री

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों से होने वाले पलायन को रोकने और रिवर्स पलायन को प्रोत्साहित करने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने सचिवालय में पलायन निवारण आयोग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राज्य में वापस लौटे सफल प्रवासियों को एक मंच प्रदान किया जाएगा, जहाँ वे अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य अन्य लोगों को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करना और उनकी सफलताओं से सीख लेकर राज्य के विकास में योगदान देना है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि इन सफल प्रवासियों के सुझावों को विभिन्न सरकारी योजनाओं में शामिल किया जाएगा, जिससे वे और अधिक प्रभावी बन सकें।

मुख्यमंत्री धामी ने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ही उत्तराखंड को देश के श्रेष्ठ राज्यों में शुमार करेगी। उन्होंने इसे %नारी शक्ति के जुनून, हौसले और हुनर% का सम्मान बताया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास सचिव श्रीमती राधिका झा को निर्देश दिया कि वे रिवर्स पलायन कर चुके लोगों की सफलता की कहानियों को साझा करने के लिए तत्काल एक उपयुक्त प्लेटफॉर्म

– शेष पृष्ठ 7 पर ..

सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने व प्रशासनिक इकाइयों को चैकस रखने के दिए निर्देश

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। भारत द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध की जा रही सख्त कार्रवाई के मद्देनज़र, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सचिवालय में राज्य के उच्च अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को हर चुनौती का सामना करने हेतु पूरी तरह से मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में अत्यधिक सतर्कता बरतने और वहां तैनात सभी प्रशासनिक इकाइयों को चौकस रखने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए राज्य के सभी अस्पतालों में जीवन रक्षक दवाइयों, सर्जिकल उपकरणों और अन्य आवश्यक चिकित्सा संसाधनों की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को राज्य में आवश्यक खाद्य सामग्री, राशन और पीने के पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि राहत और बचाव दलों को भी हर समय तैयार रखा गया है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे तत्काल कार्यवाही कर सकें।

मुख्यमंत्री ने सूचना विभाग को अफवाहों पर लगाम लगाने और जनता को सही व समय पर जानकारी देने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के लिए "देवतुल्य जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है" और सरकार किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य सचिव श्री आनंद बर्धन, डीजीपी श्री दीपम सेठ, सचिव गृह श्री शैलेश बगौली और एडीजी श्री ए.पी. अंशुमान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड हाई अलर्ट: महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा बढ़ाई

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। भारतीय सेना द्वारा पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी सरजमीं पर आतंकी ठिकानों पर किए गए मिसाइल हमलो के बाद बीती रात पाकिस्तान की ओर से सीमावर्ती क्षेत्र में 15 स्थानों पर ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद भारत पाक के बीच टकराव अब और अधिक बढ़ गया है। जिसके मद्देनजर उत्तराखंड में भी हाईअलर्ट है क्योंकि राज्य की चीन और नेपाल के साथ सीमाएं जुड़ी हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से जुड़े राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ केंद्रीय सुरक्षा मंत्रालय की बैठक के बाद इन सभी राज्यों को अलर्ट रहने को कहा गया है। साथ ही राज्य की आंतरिक सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल मुहिया कराने की बात कही गई है। इसके बाद राज्य सरकार द्वारा राज्य में एक तरफ जांच अभियान और अधिक तेज कर दिया गया है तो वहीं दूसरी ओर राज्य के सभी प्रमुख संस्थानों की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। उल्लेखनीय है कि राज्य में आईएमए से लेकर डील और ओएनजीसी से लेकर आईएएस अकादमी मंसूरी और टिहरी बांध से लेकर सर्वे आफ इंडिया तथा एफआरआई जैसे तमाम ऐसी संस्थाएं और स्थान है जो सुरक्षा के मद्देनजर अहम है।

उत्तराखंड की 300 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा को लेकर यह चुनौती और भी गंभीर हो जाती है। फिलहाल स्थानीय पुलिस और प्रशासन द्वारा जहां सीमाओं में कड़ी निगरानी और चैकसी बरतने के साथ सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है वहीं अस्पतालों को भी हाई अलर्ट पर रखा गया है। फिलहाल राज्य में 6000 से अधिक सुरक्षा कर्मी इस काम में लगे हैं तथा 1500 सीसीटीवी कैमरे तथा 15 कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स को लगाया गया है। इस काम में ड्रोन का सहारा भी लिया जा रहा है। राज्य में चल रही चार धाम यात्रा को लेकर भी सरकार द्वारा विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई है।

मसूरी में कार खाई में गिरी चार लोग घायल

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। मसूरी–धनोल्टी मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक कार के खाई में गिरने से चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया है। मसूरी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह कुंवर ने बताया कि दोपहर 12ः30 बजे सूचना मिली की मसूरी–धनोल्टी मार्ग पर एक कार गुरु राम राय स्कूल के पास खाई में गिर गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा कार सड़क से करीब 150 मीटर नीचे गिरी थी। पुलिस ने घायलों को खाई से से ऊपर निकाला और 108 आपातकालीन सेवा के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया कि वाहन लाल टिब्बा से भट्टा फॉल की तरफ जा रहा था। रोड पर जानवर आने से चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन खाई में गिर गया। वाहन प्रशांत सकलानी पुत्र चंद्र मोहन सकलानी निवासी प्रेमनगर देहरादून चला रहा था।

सम्पादकीय

इतिहास

इतिहास में आज के दिन का महत्व जानने के लिए ठीक 444 साल पीछे जाना होगा, जब मुगलों की 400 साल की गुलामी से कराहते देश को छत्रपति शिवाजी के रूप में उम्मीद की एक किरण दिखाई दी थी। वह छह जून का ही दिन था, जब मुगलों के साम्राज्यवादी सपनों को हकीकत में बदलने से रोकने के लिए भारत के महान सपूत छत्रपति शिवाजी का रायगढ़ के किले में राज्याभिषेक हुआ था और उन्हें छत्रपति की उपाधि से नवाजा गया था।वीर छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के ही नहीं अपितु पूरे भारत के महानायक थे। वह एक अत्यंत महान कुशल योद्धा और रणनीतिकार थे। वीर माता जीजाबाई के सुपुत्र वीर शिवाजी का जन्म ऐसे समय में हुआ था जब महाराष्ट्र ही नहीं अपितु पूरा भारत मुगल आक्रमणकारियों की बर्बरता से आक्रांत हो रहा था। चारों ओर विनाशलीला व युद्ध के बादलों के दृश्य पैदा हो रहे थे। बर्बर हमलावरों के आगे भारतीय राजाओं की वीरता जवाब दे रही थी उस समय शिवाजी का जन्म हुआ। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ था जब पूरा भारत निराशा के गर्त में डूबा हुआ था। कहा जाता है कि जिस कालखंड में सेक्युलर राज्य की कल्पना पश्चिम में लोकप्रिय नहीं थी उस समय शिवाजी ने ही हिंदू परम्परा के अनुकूल सम्प्रदाय निरपेक्ष धर्मराज्य की स्थापना की। शिवाजी का जीवन रोमहर्षक तथा प्रेरणास्पद घटनाओं का भंडार है।जिस समय शिवाजी का जन्म हआ था उस समय पूरे भारत की हालत वास्तव में बहुत ही चिंतनीय व दारूण हो चुकी थी। चारों तरफ हाहाकार मचा था। एक के बाद एक भारतीय राजा मुगलों के अधीन हुये जा रहे थे। बिना युद्ध किये वे उनके गुलाम होते जा रहे थे। मंदिरों को लूटा जा रहा था, गायों की हत्या हो रही थी, नारी अस्मिता तार.तार हो चुकी थी। ऐसे भयानक समय में शिवनेरी किले में माता जीजाबाई ने वीर पुत्र को जन्म दिया। माता जीजाबाई ने बचपन से ही शिवाजी को कहानियां सुनायीं जिसका असर उनके मन पर पड़ा। शिवाजी की निर्भयता का उदाहरण उनके बचपन से ही मिलने लगा था। उन्होंने बीजापुर में सुल्तान के आगे सिर नहीं झुकाया। बस यहीं से उनकी विजय गाथा प्रारम्भ होने लग गयी थी। 16 वर्ष की अवस्था तक आते.आते मुगलों के मन में शिवाजी के प्रति भय उत्पन्न होने लग गया था। बीजापुर दरबार से लौटते समय एक बार उन्होंने रास्ते में एक कसाई जो गायों की हत्या करने के लिये जा रहा था, का हाथ काट दिया था। यह उनकी एक और वीरता निर्भयता का अनुपम उदाहरण था। सन 1642 में रायरेश्वर मंदिर में कई नवयुवकों ने शिवाजी के साथ स्वराज्य की स्थापना करने का निर्णय लिया। सर्वप्रथम तोरण का दुर्ग जीता। उसके बाद उनका एक के बाद एक विजय अभियान चल निकला। 15 जनवरी 1656 को सम्पूर्ण जावली, रायरी सहित आधा दर्जन किलों पर कब्जा किया। सूपा, कल्याण, दाभोल, चोल बंदरगाह पर भी नियंत्रण कर लिया।

भारत की पहली जीनोम-संपादित चावल की किस्में

सुनील कुमार महला

भारत विश्व का एक बड़ा कृषि प्रधान देश है और यहां की अर्थव्यवस्था बहुत हद तक कृषि पर निर्भर है। हाल ही में भारत ने अपनी पहली जीनोम-संपादित चावल की किस्में %डीआरआर धान 100 (कमला)% और %पूसा डीएसटी राइस 1% जारी की हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 4 मई 2025 के दिन आईसीएआर द्वारा विकसित देश की पहली जीनोम-संपादित धान की ये दोनों किस्में जारी की गईं हैं। वास्तव में ये वैज्ञानिक शोध की दिशा में नवाचार है। इन किस्मों की खास बात यह है कि इनमें विदेशी चावलों की किस्मों या विदेशी डीएनए को शामिल नहीं किया गया है। दरअसल विदेशी डीएनए शामिल नहीं होने के कारण भारतीय कृषि में इनकी पैदावार ठीक उसी प्रकार से की जा सकती है, जिस प्रकार से हमारे यहां पारंपरिक रूप से फसलें उगाई जाती रहीं हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इन नयी किस्मों का विकास क्रिस्पर-कैस आधारित जीनोम-संपादित तकनीक का उपयोग करके किया गया, जो बिना विदेशी डीएनए को शामिल किए हुए जीव के आनुवंशिक सामग्री में सटीक परिवर्तन लाती है। धान की ये किस्में जहां एक ओर उपज में बढ़ोत्तरी करेंगी, वहीं दूसरी ओर संसाधनों की दक्षता को भी ये बढ़ाएंगी। इतना ही नहीं ये जलवायु की दृष्टि से भी लचीली बताईं जा रहीं हैं। और तो और ये किस्में जल-संरक्षण की दृष्टि से भी बहुत ही उपयोगी और लाभकारी सिद्ध होंगी।वैसे तो भारत विश्व का अनाज उत्पादन में एक आत्मनिर्भर देश बन चुका है लेकिन आज की वैश्विक परिस्थितियों में हमारे देश में भी अनेक प्रकार की खाद्य सुरक्षा चुनौतियां मौजूद हैं। मसलन आज भारत में विश्व की सर्वाधिक आबादी है। जलवायु परिवर्तन भी लगातार हो रहा है, ग्रीन हाउस गैसों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। कहना ग़लत नहीं होगा कि ऐसी परिस्थितियों के बीच आईसीएआर द्वारा विश्व की पहली जीनोम संपादित धान की दो किस्मों का विकास भारतीय कृषि के लिए जहां एक ओर एक बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं, वहीं दूसरी ओर यह खाद्य सुरक्षा की दिशा में भी उठाया गया एक बड़ा और महत्वपूर्ण क्रांतिकारी कदम है। एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक में उपलब्ध जानकारी कै अनुसार डीआरआर धान 100 (कमला) लोकप्रिय साँबा महसूरी किस्म पर आधारित है। साइट डायरेक्टेड न्यूक्लिऐस 1 (एसडीएन1) तकनीक का उपयोग करके साइटोकाइनिन ऑक्सीडेज 2 (सीकेएक्स2) जीन (जीएन1ए) को लक्षित करके दानों की संख्या में सुधार किया गया। इसके परिणामस्वरूप शीघ्र परिपक्वता (15-20 दिन पहले कटाई), सूखा-सहिष्णुता, उच्च नाइट्रोजन-उपयोग दक्षता प्राप्त होती है। उल्लेखनीय है कि इस किस्म को आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा विकसित किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय परीक्षण में डीआरआर धान 100 (कमला) की औसत उपज 5.3 टन प्रति हेक्टेयर पाई गयी जो साम्बा महसूरी (4.5 टन) से 19त्न अधिक है। वहीं दूसरी ओर पूसा डीएसटी चावल 1, मारुतेरु(एमटीयू) 1010 किस्म पर आधारित है और सूखे और लवण सहनशीलता को बढ़ाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि एमटीयू 1010 किसानों के बीच बहुत लोकप्रिय है, क्योंकि इसका दाना लम्बा-बारीक होता है, और दक्षिण भारत में रबी सीजन के चावल की खेती के लिए अत्यधिक उपयुक्त है। यह सूखे और लवणता सहित कई अजैविक तनावों के प्रति संवेदनशील है। पूसा डीएसटी चावल 1 लवणता और क्षारीयता युक्त मृदा में एमटीयू 1010 की तुलना में 20त्न अधिक उपज देती है। एसडीएन1 जीनोम-एडिटिंग के माध्यम से विकसित, यह शुष्क और लवणीय सहनशीलता (डीएसटी) जीन को लक्षित करता है । इसके परिणामस्वरूप तटीय लवणता वाले क्षेत्रों में 30.4त्न अधिक उपज, क्षारीय मृदाओं में 14.66त्न अधिक तथा अंतर्देशीय लवणता वाले क्षेत्रों में 9.67त्न अधिक उपज प्राप्त होती है।इसे आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित किया गया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि एसडीएन-1 विदेशी डीएनए का उपयोग किये बिना छोटे सम्मिलन/विलोपन प्रस्तुत करता है, जबकि एसडीएन-2 विशिष्ट वांछित परिवर्तन प्रस्तुत करने के लिये टेम्पलेट डीएनए (मेज़बान के समान) का उपयोग करता है। पाठकों को बताता चलूं कि धान की नई उन्नत विकसित किस्में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के लिए उपयुक्त हैं। इन क्षेत्रों में करीब 5 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्रफल में इन क़िस्मों की खेती की जा सकेगी, जिससे धान के उत्पादन में 4.5 मिलियन टन की वृद्धि होगी। साथ ही ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन में 20 प्रतिशत यानि 3200 टन की कमी आएगी। बहरहाल, यहां यह गौरतलब है कि हमारे देश में खाद्य सुरक्षा के लिए धान का पहले से ही महत्वपूर्ण स्थान रहा है और अब इन किस्मों की खेती से धान के उत्पादन में करीब 45 लाख टन का इजाफा होगा, तो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी करीब 20 फीसदी की कमी आएगी। आज ग्लोबल वार्मिंग के चलते जहां संपूर्ण विश्व में जल संकट गहराता चला जा रहा है, ऐसे में इन धान की किस्मों की खेती में कम पानी की खपत होगी और फसल पककर तैयार होने में भी कम समय लगेगा, जिसने किसानों को अगली फसल की बुआई के लिए भी पर्याप्त समय मिल सकेगा। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि भारत में हरित क्रांति की शुरुआत 1965-1968 के बीच मानी जाती है और डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति का जनक माना जाता है।हरित क्रांति के परिणामस्वरूप भारत में खाद्यान्न उत्पादन(गेहूं और चावल के उत्पादन में) अभूतपूर्व वृद्धि हुई थी।गौरतलब है कि हरित क्रांति के दौरान उच्च उपज वाली किस्मों के बीज, आधुनिक सिंचाई तकनीक, उर्वरक और कीटनाशकों का व्यापक रूप से उपयोग किया गया था। वास्तव में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना था, जिससे भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। हरित क्रांति का प्रभाव यह हुआ कि इसने भारतीय कृषि को पूरी तरह से बदल दिया और भारत को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान में यह उम्मीद जताई जा रही है कि धान की ये नई किस्में दूसरी हरित क्रांति की शुरुआत में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। धान की इन दोनों किस्मों की विशेषताओं की यदि हम यहां पर बात करें, तो इन दोनों किस्मों की खेती से उपज में 19 प्रतिशत की वृद्धि होगी तथा ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन में 20 प्रतिशत की कमी आएगी। इतना ही नहीं, सिंचाई जल में 7,500 मिलियन घन मीटर की बचत होगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सूखा, लवणता एवं जलवायु तनावों के प्रति यह दोनों ही किस्में उच्च सहिष्णु हैं। ग्रीन हाउस गैसों में कमी से पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिल सकेगा।

अंत में यही कहूंगा कि चावल भारत की प्रमुख फसलों में से एक है और भारत में चावल का उत्पादन कृषि के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। चीन के बाद भारत विश्व में चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है, और चावल का सबसे बड़ा निर्यातक भी।इन दोनों किस्मों के आने से निश्चित ही भारत में चावल उत्पादन में कहीं और अधिक बढ़ोत्तरी सुनिश्चित होगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि आईसीएआर की यह उपलब्धि(चावल की किस्मों का विकास) नई उम्मीदों को जगाती है। इससे भारतीय कृषि और अधिक सुदृढ़ और मजबूत होगी।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें

संपादक

दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)

मोबाईल न.- 7500581414,9359555222

Email: indiawarta@gmail.com

देहरादून में पेयजल संकट से जूझते नागरिकों को बड़ी राहत: जिला प्रशासन का 'मिशन पानी' बना संजीवनी!

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। भीषण गर्मी की दस्तक के साथ राजधानी देहरादून में पेयजल आपूर्ति को लेकर सामने आ रही चुनौतियों के बीच जिला प्रशासन ने एक अभूतपूर्व पहल की है। मुख्यमंत्री के जनसेवा संकल्प से प्रेरित होकर, जिलाधिकारी सविन बंसल के कुशल मार्गदर्शन में, जिले में पहली बार 07 पेयजल आपूर्ति संबंधी विभागों को एक छत के नीचे लाकर जिला कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिया गया है। 20 मई से शुरू हुए इस अनोखे मिशन पानी के तहत, जिला प्रशासन पेयजल संबंधी हर शिकायत का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित कर रहा है, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिल रही है।

कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली और उपलब्धियां :

इस पहल की सबसे खास बात यह है कि कंट्रोल रूम में जल संस्थान और पेयजल निगम के सक्षम अधिकारियों की स्थायी तैनाती की गई है। वहीं, एडीएम (प्रभारी आपदा) और एसडीएम कुमकुम जोशी स्वयं फोन, व्हाट्सएप और मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर संबंधित विभागों के जेई और एई के साथ प्रतिदिन सुबह-शाम ब्रीफिंग ले रही हैं। यह सीधी निगरानी ही शिकायतों के तेजी से निपटारे की कुंजी साबित हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अब तक कंट्रोल रूम को टोल फ्री नंबर, समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों से कुल 36 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से चौंकाने वाली 34 शिकायतों का युद्धस्तर पर निस्तारण किया जा चुका है। यह आंकड़ा जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता और मिशन पानी की सफलता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

प्रशासन का लक्ष्य- हर घर तक शुद्ध जल, हर हाल में!

जिला प्रशासन ने इस संबंध में एक स्पष्ट संदेश दिया है- 卐पाइप से नहीं तो टैंकर से, टैंकर से नहीं तो खच्चर से, मिलना ही है शुद्ध पेयजल।卐 यह दृढ़ संकल्प दर्शाता है कि प्रशासन किसी भी कीमत पर नागरिकों तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाने के लिए कृतसंकल्प है। एक समर्पित समिति हर शिकायत की बारीकी से समीक्षा कर रही है और पेयजल आपूर्ति के 07 सक्षम अधिकारी कंट्रोल रूम में चौबीसों घंटे तैनात हैं।

विभिन्न समस्याओं का त्वरित समाधान: कुछ उदाहरण

* मोहनपुर नलकूप समस्या- 06 मई को एक समाचार पत्र में मोहनपुर नलकूप की मोटर खराब होने से कैंट क्षेत्र के 112 घरों में पेयजल बाधित होने की खबर प्रकाशित हुई थी। जिला प्रशासन ने इसका तत्काल संज्ञान लिया और उसी दिन शाम तक खराब मोटर को ठीक करवाकर पेयजल आपूर्ति बहाल कर दी। कृष्णापुरम में लो प्रेशर- कृष्णापुरम कॉलोनी में लो प्रेशर के कारण पानी न पहुंचने की समस्या पर यूयूएसडीए के परियोजना निदेशक ने बताया कि दौड़वाला क्षेत्र में पेयजल लाइन की मरम्मत पूरी हो गई है और फिलहाल टैंकरों के माध्यम से पानी पहुंचाया जा रहा है।

* पंत रोड पर लाइन क्षतिग्रस्त- 05 मई को पंत रोड क्षेत्र में चार दिन से पानी न आने की खबर पर गेल गैस लि. द्वारा गैस पाइपलाइन बिछाने के दौरान हुई पेयजल लाइन की क्षति की जानकारी मिली। अधिशासी अभियंता ने बताया कि मरम्मत कार्य जारी है और नियमित रूप से टैंकरों से जलापूर्ति की जा रही है।

* जीएमएस रोड पर पाइपलाइन क्षति- जीएमएस रोड पर पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने की शिकायत पर जल संस्थान के अधिशासी अभियंता ने बताया कि यूपीसीएल एडीबी द्वारा विद्युत केबल बिछाने के दौरान यह क्षति हुई थी, जिसे ठीक कर लिया गया है और आपूर्ति सुचारू है।

* एमडीडीए कॉलोनी में लो प्रेशर- एमडीडीए कॉलोनी में लो-प्रेशर की समस्या पर आईएसबीटी के समीप टर्नर रोड स्थित नलकूप पर अधिष्ठापित वाल्व का स्पेन्डल क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई, जिसे मरम्मत कर आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पेयजल शिकायतों का त्वरित गति से निस्तारण जारी रखा जाए और ग्रीष्मकाल में हर घर तक न्यून अवधि में निर्बाध, शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रशासन की यह प्राथमिकता स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति से जन मन को बड़ी राहत प्रदान कर रही है।

नागरिक अपनी पेयजल संबंधी शिकायतें कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर 0135-2726066 व 1077 पर दर्ज करा सकते हैं। साथ ही, जल संस्थान एवं जल निगम के सभी डिविजनों में भी समस्याओं के निस्तारण के लिए टोल फ्री नंबर प्रचारित किए गए हैं। जिला प्रशासन की यह सक्रियता देहरादून के नागरिकों के लिए एक मिसाल कायम कर रही है कि जनसेवा ही सर्वोपरि है।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी कलियुगी पिता गिरफ्तार

चमोली, इंडिया वार्ता ब्यूरो। नाबालिग से छेड़छाड़ करने के आरोपी कलियुगी पिता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 7 मई को नाबालिग की माता ने थाना गैरसैंण पर तहरीर देकर बताया गया कि मेरे पति व मेरी 14 वर्षीय नाबालिग पुत्री मौसी के घर रुद्रप्रयाग जाने के लिए नैनीताल से निकले थे, जहाँ मेरे पति द्वारा गैरसैंण होटल में रुककर मेरी नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड़ की गयी है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बीती शाम उसे पांडव खाल शिलांग तिराहा से गिरफ्तार किया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

डोईवाला में बंद घर में हुई लाखों की चोरी का दून पुलिस ने किया खुलासा, 2 शातिर चोर गिरफ्तार

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। देहरादून पुलिस ने डोईवाला में एक बंद घर में हुई लाखों रुपये की चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किए गए आभूषण और नगदी बरामद कर ली है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान पवन उर्फ तोतला (22) और अर्जुन (19) के रूप में हुई है, दोनों नेहरू कॉलोनी थाना क्षेत्र के चकशाहनगर, दीपनगर निवासी हैं। घटना 1 मई 2025 को डोईवाला के दूधली रोड स्थित सत्संग भवन के निकट चांदमारी में घटी थी। श्री सचिन कुमार पुत्र स्व. श्री सत्यपाल सिंह अपने निजी कार्य से घर से बाहर गए थे। जब वे वापस लौटे तो देखा कि उनके घर का ताला टूटा हुआ था और अलमारी में रखे आभूषण गायब थे। श्री सचिन कुमार की शिकायत पर थाना डोईवाला में तत्काल मु0अ0सं0-117/2025 धारा-305 ए बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। चोरी की घटना के अनावरण और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने एक विशेष टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल के आसपास और आने-जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज से संदिग्धों के हुलिये की महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई गई। इसके साथ ही, स्थानीय मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया और पूर्व में इसी प्रकार के अपराधों में जेल जा चुके अपराधियों की वर्तमान स्थिति की भी गहनता से जांच की गई। पुलिस टीम की अथक मेहनत रंग लाई और 8 मई 2025 को भानियावाला फ्लाईओवर, डोईवाला के पास से चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दो संदिग्धों को धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम पवन उर्फ तोतला और अर्जुन पुत्र श्याम बताया। उनके पास से चोरी किए गए आभूषण और नगदी भी बरामद हुई।

पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने खुलासा किया कि वे दोनों नशे के आदी हैं और अपनी नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए ही उन्होंने इस चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस उनके आपराधिक इतिहास के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटा रही है।

बरामदगी का विवरण:

* चोरी किए गए आभूषण- अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख रुपये।
* चोरी की गई नगदी- 8,000/- रुपये।

पुलिस टीम में शामिल सदस्य-

* व0उ0नि0 शिशुपाल राणा, कोतवाली डोईवाला
* उ0नि0 राज नारायण व्यास
* का0 वीर सिंह
* का0 सोविन्द्र कुमार
* हे0का0 देवेन्द्र नेगी
* का0 रविन्द्र टम्टा
* का0 धर्मेन्द्र नेगी

दून पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और प्रभावी जांच से चोरी की घटना का न केवल सफलतापूर्वक अनावरण हुआ है, बल्कि अपराधियों को भी सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल मजबूत हुआ है।

एमडीडीए ने अवैध निर्माण सील किया

देहरादून । मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने शुक्रवार को एक अवैध निर्माण कार्य को सील किया। प्राधिकरण के सहायक अभियंता प्रेम सेमवाल ने बताया कि माल रोड स्थित नौकिन स्टेट निकट हैम्पटन कोर्ट स्कूल के निकट विभोर गर्ग द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृत कराए अवैध निर्माण किया जा रहा था। संयुक्त सचिव के निर्देश पर नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई की गई।

भारत ने दिया पाकिस्तान के ड्रोन और मिसाइल हमलों का मुंहतोड़ जवाब, एफ-16 और दो जेएफ-17 विमान भी मार गिराए

नईदिल्ली,एंजेंसी। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान की ओर से पश्चिमी सीमा और जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर ड्रोन और मिसाइल हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय सेना के अनुसार, 8 और 9 मई की मध्य रात्रि को पाकिस्तान ने कई हमले किए, जिन्हें भारतीय सेना ने सफलतापूर्वक नाकाम किया।

भारतीय सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर यह जानकारी दी और राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पोस्ट में आगे लिखा गया है- भारतीय सेना राष्ट्र की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। सभी नापाक इरादों का बलपूर्वक जवाब दिया जाएगा।

सरकारी सूत्रों से मिली जानकारी से यह भी स्पष्ट हो चुका है कि जब पाकिस्तान ने जम्मू और पंजाब के कई इलाकों पर हमला करने की कोशिश की तो भारत ने उसे करारा जवाब दिया और पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमान और दो जेएफ-17 विमान भी मार गिराए। गुरुवार को पाकिस्तान ने भारत के कई हिस्सों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय वायु रक्षा ने उनके भेजे गए ड्रोन को भी गिरा दिया। भारत ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में उड़ रहे उनके एयरबोर्न वार्निंग और कंट्रोल सिस्टम को भी गिरा दिया।

उधर, जम्मू-कश्मीर के उधमपुर और राजस्थान के जैसलमेर में भी ड्रोन हमले नाकाम किए गए। जम्मू के अखनूर में एक ड्रोन गिराया गया। पूंछ में दो 'कामिकाजे' ड्रोन भी गिराए गए। सूत्रों के अनुसार, भारत की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एसएएम) ने पाकिस्तान का एफ-16 विमान सरगोधा एयरबेस के पास गिरा दिया। एफ-16 पाकिस्तान के सबसे अहम लड़ाकू विमानों में से एक है, जिसे उसने अमेरिका से लिया था। इसके साथ जेएफ-17 भी एक अहम विमान है।

गुरुवार रात को पाकिस्तान ने राजस्थान के जैसलमेर में मिसाइल से हमला करने की कोशिश की, लेकिन भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने तुरंत जवाब दिया। सूत्रों के अनुसार, अब तक 70 से ज्यादा मिसाइलें हवा में ही नष्ट कर दी गईं, जिससे जमीन पर कोई नुकसान नहीं हुआ।

तनाव बढ़ने पर पाकिस्तान ने जम्मू के कई इलाकों में एक साथ हमला किया, जिनमें एयरपोर्ट भी शामिल था। गुरुवार रात अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार से जम्मू पर रॉकेट दागे गए। भारतीय वायु रक्षा ने इन रॉकेटों को रास्ते में ही रोक लिया।

पाकिस्तान ने गुरुवार शाम को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामुला, पूंछ, सांबा और उरी में बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की। भारतीय एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने जम्मू एयरपोर्ट, सांबा, आरएस पुरा, अर्निया और आस-पास के इलाकों में पाकिस्तान की आठ मिसाइलों को हवा में ही रोक लिया। जम्मू विश्वविद्यालय के पास दो पाकिस्तानी ड्रोन भी गिराए गए।

एक संयुक्त रक्षा बयान में कहा गया, जम्मू, पठानकोट और उधमपुर में स्थित सेना के ठिकानों पर पाकिस्तान ने मिसाइल और ड्रोन से हमला किया, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ। भारतीय सेना ने तय प्रक्रिया के अनुसार इन खतरों को खत्म किया।

यह सब कुछ भारत द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर कार्रवाई करने के 48 घंटे के भीतर हुआ।

रक्षा मंत्री ने सेना प्रमुखों के साथ की 'ऑपरेशन सिंदूर' व मौजूदा स्थिति की समीक्षा

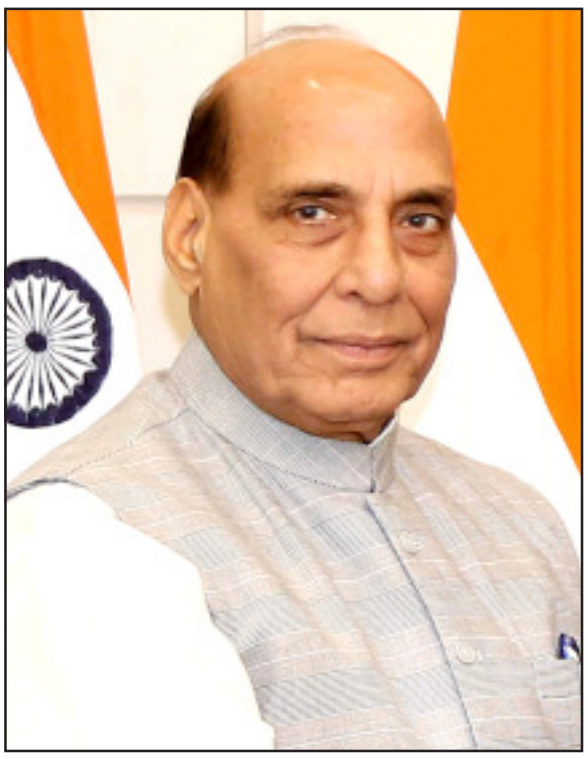

नईदिल्ली,एंजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को रक्षा मंत्रालय में एक बेहद महत्वपूर्ण मीटिंग की। इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख यानी वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी व नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी मौजूद रहे। बैठक में रक्षा सचिव आरके सिंह भी मौजूद रहे।

इस बैठक में आतंकवादियों के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में पाकिस्तान के कारण सीमावर्ती इलाकों में उत्पन्न हुई पूरी स्थिति की समीक्षा की गई। माना जा रहा है कि इस बैठक में आगे की रणनीति और सैन्य तैयारियों पर भी चर्चा हुई।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने अब तक भारत के कई सैन्य और नागरिक ठिकानों पर अटैक किया है, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह से नाकाम कर दिया है। इसके साथ ही भारत ने जबरदस्त जवाबी कार्रवाई भी की है। पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन अटैक भी नाकाम किए गए हैं। पाकिस्तान को यहां भी बड़ा नुकसान हुआ है और उसके कई ड्रोन भारतीय सेना ने नष्ट कर दिए। इसके साथ ही पाकिस्तान के मिसाइल हमलों को भी प्रभावी ढंग से विफल किया गया। सेना ने इसकी पूरी जानकारी रक्षा मंत्री को दी है। सेना के मुताबिक भारतीय एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान की आठ मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। ये सभी मिसाइल हमले जम्मू कश्मीर में टारगेट किए गए थे। तीनों सेना प्रमुखों ने जम्मू कश्मीर से लेकर राजस्थान तक के विभिन्न इलाकों में पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले और उसकी जवाबी कार्रवाई की जानकारी रक्षा मंत्री को दी है। इसके साथ ही बताया गया है कि किस प्रकार से भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया।

माना जा रहा है कि सेना ने इस दौरान बताया कि पाकिस्तान ने कहां-कहां और किन-किन हथियारों से हमले किए। भारतीय प्रतिक्रिया क्या रही। भारत के त्रिस्तरीय डिफेंस सिस्टम ने किस तरीके से पाकिस्तानी हमलों को नाकाम किया। भारतीय सेनाओं ने जवाब में किन इलाकों में और क्या-क्या कार्रवाई की। जानकारी के मुताबिक रक्षा मंत्री को भारतीय सेनाओं की तैनाती और तैयारी की भी विस्तृत जानकारी दी गई है।

पाकिस्तान ने बीती रात भारत के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की। पाकिस्तान के इन प्रयासों को भारत के एस-400 डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान ने न केवल लड़ाकू विमानों बल्कि ड्रोन, रॉकेट व मिसाइलों के जरिए भी जम्मू कश्मीर, पठानकोट, फिरोजपुर, कपूरथला, जालंधर, जैसलमेर व पश्चिमी सीमा से सटे कई इलाकों में सैन्य ठिकानों पर हमला किया।

विदेश में हूं, लेकिन दिल और आत्मा पूरी तरह भारत के साथ : सेलिना जेटली

मुंबई,एंजेंसी। मशहूर अदाकारा सेलीना जेटली भले ही विदेश में हों, लेकिन उनका मन खबरों की हलचल के बीच भारत में उलझा हुआ है। उन्होंने भारतीय सेना की बहादुरी को सलाम किया और उन आम लोगों के साथ हमदर्दी जताई जो हमले से प्रभावित हुए हैं। उनका कहना कि उन्हें भारत की ताकत पर पूरा भरोसा है।

सेलिना ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उल्लिखा, मैं ऑस्ट्रिया में हूं, लेकिन नींद नहीं आ रही। आज की रात सोना भी किसी 'लग्जरी' जैसी चीज लग रही है, क्योंकि मेरे देश में शांति पर हमला हो रहा है। मेरा दिल बेचैन है, एक तरफ मैं यहां के समय में हूं और दूसरी तरफ भारत की खबरों में उलझी हुई हूं। बेशक मैं दूर हूं, लेकिन मेरी आत्मा, मेरी भावना पूरी तरह भारत के साथ है। उन्होंने लिखा, हमारे बहादुर भारतीय सशस्त्र बलों को धन्यवाद। आप हमारे और अव्यवस्था के बीच एक ढाल बनकर खड़े हैं। आप हमें उस खतरे से बचाते हैं, जो आम लोग शायद कभी महसूस भी नहीं कर पाते। आपका साहस सिर्फ युद्ध में नहीं, बल्कि उन अनगिनत खामोश कुर्बानियों में भी दिखता है, जैसे ठंडी रातों में जागकर सरहद की रक्षा करना, बिना रुके.. बिना थके हर कदम देश के लिए बढ़ाना। हम आज सुरक्षित हैं, चैन से जी रहे हैं, सांस ले पा रहे हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि भारतीय सेना अडिग खड़ी है, बिना डरे, बिना झुके। हमले में प्रभावित नागरिकों को लेकर आगे लिखती हैं, आपका दर्द किसी से छुपा नहीं है, हम सब उसे महसूस करते हैं और समझते हैं। आपकी ताकत को भुलाया नहीं जा सकता। आपके साहस को हमेशा याद रखा जाएगा। डर और नुकसान का सामना करते हुए, आप दुनिया को दिखा रहे हैं कि एकता, सम्मान और धैर्य का वास्तव में क्या मतलब है। हम आपके साथ खड़े हैं। इस मुश्किल घड़ी से बाहर निकलने के लिए एक साथ मिलकर संघर्ष करेंगे और फिर से खड़े होंगे। शांति केवल एक शब्द नहीं है, बल्कि सभी लोगों का प्राकृतिक अधिकार है और कोई भी हमला भारत की आत्मा को नहीं तोड़ सकता। जय हिंद 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किए जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है।

जिलाअधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास, पंचायती राज एवं स्वजल विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा (सूचना विभाग)। विकास भवन सभागार, अल्मोड़ा में जिला अधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास, पंचायती राज एवं स्वजल विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समस्त खंड विकास अधिकारी, उप कार्यक्रम अधिकारी, ब्लॉक मिशन मैनेजर, सहायक विकास अधिकारी (पंचायती राज) सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), आजीविका मिशन, पंचायत राज योजनाएं, स्वजल कार्यक्रम, ग्राम्य क्षेत्रों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, ई-गवर्नेंस के तहत जनगणना पोर्टल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, ग्राम स्वराज पोर्टल की प्रगति, ससमय श्रमिकों का भुगतान, वार्षिक योजनाओं की स्थिति एवं भौतिक/वित्तीय प्रगति जैसे विभिन्न बिंदुओं पर गहन चर्चा एवं समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी द्वारा संबंधितों को निर्देशित करते हुए कहा गया कि योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। अपूर्ण कार्यों की सूची तैयार कर शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करने की रणनीति बनाई जाए। पंचायतों में मनरेगा कार्यों का भौतिक सत्यापन नियमित रूप से किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई, अपशिष्ट प्रबंधन एवं जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए।

बैठक में समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु उत्तरदायी बनें। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि आगामी निरीक्षणों के लिए अपनी तैयारियों को सुदृढ़ किया जाए।अंत में चयनित विकासखंडों द्वारा उत्कृष्ट योजनाओं की पाँच मिनट की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिन्हें उपस्थित अधिकारियों द्वारा सराहा गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, जिला विकास अधिकारी एसके पंत समेत अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री उदयीमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2025- 2026 में जनपद स्तर पर 8 से 9 आयु वर्ग के खिलाड़ी में हुआ नगर निगम अल्मोड़ा के 3 छात्रों का हुआ चयन

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। जनपद स्तर पर 8 से 9 आयु वर्ग में वर्ष 2025- 2026 के लिए मुख्यमंत्री उदयीमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत नगर निगम अल्मोड़ा से तीन खिलाड़ियों मारुत सिंह कार्की, मयंक मेहता और रितिक आर्या का चयन हुआ ज़िले से अन्य 22 खिलाड़ियों में तन्मय,भास्कर मनराल,प्रदीप फर्त्याल,शुभम भंडारी,हर्षित सिंह,गर्वित सिंह नेगी,सौरभ मेहरा, कृष्णा ,प्रतीक सिंह नेगी, लवलेश सिंह कैडा,रौनक सिंह रावत,ललित सिंह,शौर्य कुमार टम्टा,पवन शर्मा,गौरव तिवारी, करन सिंह बिष्ट, आयुष अधिकारी,नवीन चंद्र,रितिक कुमार, गौरांश और शुभम बिष्ट का भी चयन हुआ,इस वर्ग में कुल 25 खिलाड़ियों का चयन हुआ। नगर निगम अल्मोड़ा से चयनित मारुत सिंह कार्की कृतार्थ भावना एकेडमी का छात्र है उनके पिता रोहित कार्की नगर निगम अल्मोड़ा के वार्ड नंबर 19 बमनखोला के पार्षद होने के साथ साथ पेशे से अधिवक्ता भी हैं। मारुत का उदयीमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृत्ति योजना में चयन होने पर उसके स्कूल प्रबंधन खेल प्रेमियों सहित नगर निगम अल्मोड़ा,ज़िला बार एसोसिएशन अल्मोड़ा और पत्रकार बंधुओं ने बधाई और शुभकामनाएं दी। खेलप्रेमियों ने प्रदेश सरकार के इस प्रकार के प्रयासों की सराहना की।

आतंकियों पर कार्रवाई के बाद केदारनाथ में गूंजे सेना के जयकारे

देहरादून, आजखबर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच इन दिनों तनाव का माहौल है। जिसके तहत पाकिस्तान नापाक हरकत कर लगातार हमले कर रहा है, जिसका भारत मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। ऐसे में भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने और सभी सैनिकों की सलामती के लिए दुआएं की जा रही है। इसी कड़ी में केदारनाथ धाम में ऑपरेशन सिंदूर और भारतीय सेना के लिए विशेष पूजा-अर्चना के तहत रुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान केदारनाथ मंदिर परिसर में बाबा केदार के साथ ही भारतीय सेना के जयकारों की गूंज सुनाई दी।बता दें कि आज केदारनाथ मंदिर में बदरी केदार मंदिर समिति और केदार सभा के पदाधिकारी, तीर्थ पुरोहित एवं पुलिसकर्मियों ने विशेष रुद्राभिषेक किया। जिसमें बाबा केदार से ऑपरेशन सिंदूर को कामयाब बनाने और भारतीय सेना को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने अपने संदेश में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को शौर्य का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा को लेकर बदरीनाथ और

एसएसपी अल्मोड़ा ने जनपद के अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों के साथ आयोजित की क्राईम मीटिंग

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा । श्री देवेन्द्र पींचा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा द्वारा आज दिनांक-09.05.2025 को पुलिस लाईन अल्मोड़ा के सभागार में जनपद के समस्त पुलिस अधिकारियों के साथ क्राईम मीटिंग व पुलिस कर्मचारियों का सम्मेलन आयोजित किया गया।

1. सैनिक सम्मेलन में उपस्थित समस्त अधि0/कर्म0गणों से उनकी व्यक्तिगत, सामूहिक एवं विभागीय समस्याऐं पूछकर उनका निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

2. जनपद के समस्त थानों में दर्ज अपराधों, अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही एवं अपराधों के निस्तारण/ लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया।

3. समस्त थाना प्रभारी/एसओजी को नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेन्स नीति अपनाकर मादक पदार्थों की बरामदगी व नशे की सामग्री कहां से खरीदी गयी और किसे बेची जा रही है, उसके बारे में जानकारी जुटाकर नशा तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने व जागरुकता अभियान चला कर जनमानस को जागरुक करने के लिये निर्देशित किया गया। साथ ही कड़े शब्दों में कहां की नशे में संलिप्तता पाये जाने पर किसी को बख्शा नहीं जायेगा।

4. सभी थाना प्रभारियों को नशा तस्करी करने वाले अभियुक्तों की सम्पत्ति की जांच करने और नशा बेचकर अर्जित की गयी सम्पत्ति पायी जाने पर सीजर की कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया।

5. पर्यटन सीजन के दृष्टिगत यातायात निरीक्षक व समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने व पर्यटकों के साथ शालीनतापूर्वक व्यवहार करने के निर्देश दिये गये है।

6. सड़क दुर्घटनाओं में लगाम लगाने हेतु सभी थानाध्यक्षों/प्रभारी यातायात को ओवरलोडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने वालों, रैश ड्राईविंग, यातायात नियमों का उल्लघंन करने वालो के विरुद्ध कार्यवाही करने के कड़े निर्देश दिये गये।

7. आगामी मानसून सत्र के दृष्टिगत समस्त थाना/फायर/एसडीआरएफ को आपदा उपकरण को कार्यशील दशा में रखने व अलर्ट रहने के निर्देश दिये गये।

8. वर्तमान परिदृश्य के दृष्टिगत समस्त थाना प्रभारियों को जनपद में सघन चेकिंग/वेरिफिकेशन ड्राइव चलाने व सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती करआपराधिक/संदिग्धों पर सतर्क दृष्टिगत रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही एनसीसी व ग्राम प्रहरियों से समन्वय स्थापित कर सहयोग लेना सुनिश्चित करें।

9. समस्त थाना प्रभारियों को एकल वरिष्ठ नागरिकों व पुलिस पेंशनरों से मुलाकात कर उनकी कुशल क्षेम लेकर समस्याओं के बारे में पूछकर त्वरित निस्ताकरण की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

10. लम्बित ऑनलाईन/ऑफलाईन शिकायतों का निस्तारण, लम्बित माल मुकदमाती के निस्तारण, समन/नोटिस व वारंटों की शत प्रतिशत तामीली करने के लिये निर्देशित किया गया।

11. प्रभारी अग्निशमन अधिकारियों को फायर सीजन के दृष्टिगत सर्तक रहते हुए अग्निकाण्ड की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है, साथ ही समस्त थानों को भी अग्निकांड सम्बन्धी सूचना प्राप्त होने पर आवश्यक राहत एवं बचाव कार्य करने के निर्देश दिये गये।

12. प्राय: देखने में आ रहा है हमारे वरिष्ठजन काफी संख्या में डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर ठगी के जाल में फंस रहे है। जिसके दृष्टिगत एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा पहल करते हुए नगर/कस्बा/ग्रामीण क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के बारे में जागरुक करने के लिये समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।

13. थाना स्तर पर टीम बनाकर अभियोगों में वांछित/पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया।

14. जनजागरुकता, नाबालिगों/महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर त्वरित कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया।

15. समस्त थाना प्रभारियों को साईबर शिकायतों को गंभीरता से लेकर उनमें साईबर सेल से आवश्यक सहयोग प्राप्त करते हुए अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करें।

16. समस्त बीट कर्मियों को लगातार अपने-अपने बीटों पर भ्रमण कर सजग रहते हुए आपराधिक व अराजक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

17. ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी श्री बिन्देश्वरी प्रसाद टम्टा द्वारा अभियोजन सम्बन्धी विषयों पर उपस्थित थानाध्यक्षों का मार्ग दर्शन किया गया।

18. वर्तमान परिदृश्य के दृष्टिगत सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित होने वाले अफवाह, झूठी खबर, फेक न्यूज आदि पर सतर्क दृष्टि रखते हुए आवश्यक कार्यवाही कर जनमानस को सत्यता से अवगत कराये।

19. जनपद पुलिस के सभी अधिकारी/कर्मचारीगणों को जनता के साथ शालीन व्यवहार करने की हिदायत दी गई।

सम्मानित-

सल्ट क्षेत्र में एक कैंटर से कुल 34.145 कि0ग्रा0 अवैध गांजा बरामद कर 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सराहनीय योगदान देने वाले थाना सल्ट में नियुक्त कानि0 विपिन कुमार को Employee Of The Month चुना गया। एसएसपी महोदय द्वारा विगत माह अप्रैल में प्रभावी पुलिसिंग, मानवीय कार्य एवं गुड वर्क एवं सराहनीय कार्य करने वाले श्वद्बश्चद्यश्व4द्दद्ग ह्द्ध ञ्जद्धद्ग रूश्ठ्ठह्लद्ध सहित 17 अधिकारी/कर्मचारीगणों की कार्यो की सराहना कर प्रशस्ति पत्र से सम्मानित करते हुए उत्साहवर्धन किया गया।

मैंने कभी भी फ़ैड डाइट या चरमपंथ में विश्वास नहीं किया : कृष्णा श्रॉफ

कृष्णा श्रॉफ ने कहा फिटनेस का मतलब संतुलन है, ना कि अतिशयता! जब तक आप एक सीमित दायरे में हैं... आप स्वस्थ रहेंगे। एक ऐसी दुनिया में जहाँ लोग क्विक फिक्स परिणामों और ड्रामेटिक बदलावों के पीछे भागते हैं, कृष्णा श्रॉफ स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति एक संतुलित और टिकाऊ नजरिया अपनाने की वकालत करती हैं। उनका मानना है कि फिटनेस का मतलब अवास्तविक लक्ष्यों के पीछे भागना नहीं है, बल्कि मानसिक और शारीरिक संतुलन पाना है। कृष्णा कहती हैं, मैंने कभी फैड डाइट्स या किसी भी तरह की अतिशयता में विश्वास नहीं किया। जब तक आप अपने पोषण, ट्रेनिंग और जीवनशैली में एक निश्चित सीमा के भीतर रहते हैं, तब तक आप एक स्वस्थ ज़ोन में रहते हैं। इस दृष्टिकोण ने न केवल उनकी अपनी सेहत की यात्रा को आकार दिया है, बल्कि उनके फ़िटनेस ब्रांड के माध्यम से उनके द्वारा बढ़ावा दिए जाने वाले माहौल को भी आकार दिया है।

कृष्णा ऐसी जीवनशैली की बात करती हैं जिसमें गहनता से ज़्यादा निरंतरता को प्राथमिकता दी जाती है, और शारीरिक लक्ष्यों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दी जाती है। उनका संदेश यह स्पष्ट करता है कि स्वास्थ्य का मतलब खुद को भूखा रखना या थका देना नहीं है, बल्कि ऐसे आदतों को अपनाना है जो वास्तविक और दीर्घकालिक हों। इस सोच को और भी असरदार बनाती है उनकी यह आंतरिक समझ कि व्यक्ति अंदर से जैसा महसूस करता है, वही असली मायने रखता है।

मैं सच में मानती हूँ कि आप जितना अच्छा महसूस करते हैं, उतने अच्छे आप कभी दिख नहीं सकते। और जितने अच्छे आप दिखते हैं, उतना अच्छा आप हमेशा महसूस नहीं करते, वह आगे कहती हैं। फ़िल्टर्ड परफ़ेक्शन और बाहरी मान्यता से भरी इस युग में, कृष्णा का संदेश एक ऐसी वास्तविकता के साथ सामने आता है जो आपको फ़िटनेस इंडस्ट्री में शायद ही देखने को मिले!

अपहृत किशोरी बरामद, आरोपी को भेजा जेल

रुड़की , इंडिया वार्ता ब्यूरो। पुलिस ने अपहृत किशोरी को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। करीब दो वर्ष पूर्व मंगलौर क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री को एक युवक बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। गुरुवार की देर शाम को पुलिस ने एक ईंट भट्ठे से किशोरी को बरामद कर लिया है। पुलिस ने किशोरी का अपहरण करने वाले आरोपी सुमित निवासी ग्राम बागडी बुढ़ाना उत्तर प्रदेश को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है, जबकि आरोपी का लिखापढ़ी के बाद चालान कर दिया है।

राष्ट्रीय स्तर पर 'ज्ञानपथ पर संरचना डिजाइन' प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025 की तैयारियों के बीच, रक्षा मंत्रालय और माई गॉव ने मिलकर एक अनूठी पहल की है। देश के युवाओं और नागरिकों में रचनात्मकता तथा देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से %ज्ञानपथ पर संरचना डिजाइन के लिए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता% का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 01 मई से 15 मई, 2025 तक चलेगी, जिसमें देशभर से प्रतिभागियों को अपनी कल्पना और डिजाइन कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को एक ऐसी संरचना की संकल्पना और डिजाइन तैयार करना होगा, जिसे स्वतंत्रता दिवस समारोह-2025 के अवसर पर दिल्ली में लालकिला-ज्ञानपथ पर प्रदर्शित किया जाएगा। इस संरचना को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेटों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों और स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। प्रतिभागियों को अपने डिजाइन के लिए एक उपयुक्त पृष्ठभूमि भी प्रदान करनी होगी। डिजाइन तैयार करते समय पिछले वर्षों के सफल डिजाइनों से प्रेरणा ली जा सकती है। इच्छुक प्रतिभागी अधिक जानकारी और पंजीकरण के लिए द्धttps://www.mygov.in/ पर जा सकते हैं।

महिला कॉलेज और एमबीपीजी नहीं होंगे मर्ज

हल्द्वानी, इंडिया वार्ता ब्यूरो। हल्द्वानी के एमबीपीजी कॉलेज और इंदिरा प्रियदर्शिनी राजकीय महिला महाविद्यालय को क्लस्टर मोड में संचालित करने की योजना पर ब्रेक लग गया है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत के निर्देश के बाद उच्च शिक्षा निदेशालय ने दोनों कॉलेजों के प्राचार्यों से मांगे गए प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इस प्रस्ताव में एमबीपीजी कॉलेज में कला और विज्ञान संकाय की कक्षाएं शुरू करने और महिला महाविद्यालय को छात्र-छात्राओं के लिए खोलते हुए वाणिज्य, बीबीए और बीसीए संकाय संचालित करने की योजना थी। निदेशालय की ओर से बीते माह 17 अप्रैल को आदेश जारी कर एक सप्ताह में प्रस्ताव मांगा गया था।इसका संज्ञान लेते हुए उच्च शिक्षा मंत्री ने फिलहाल कॉलेजों को पूर्व की तरह संचालित करने के मौखिक निर्देश दिए हैं। पिछले साल भी इस तरह के प्रस्ताव पर छात्र-छात्राओं के भारी विरोध के चलते योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। महिला महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.आभा शर्मा ने बताया कि उच्च शिक्षा मंत्री के मौखिक आदेश के बाद प्रस्ताव निदेशालय को नहीं भेजा गया है। महिला कॉलेज में 2297 छात्राएं करती हैं पढ़ाई अभी महिला कॉलेज में स्नातक- स्नातकोत्तर कक्षाओं में 2297 छात्राएं पढ़ाई करती हैं। छात्राओं का कहना है कि वह प्रदेश के एक मात्र महिला कॉलेज को सिर्फ छात्राओं के लिए संचालित करने की मांग कर रही हैं। सरकार उनके कॉलेज में छात्रों को भी प्रवेश देने की तैयारी कर रही है, इसका वह विरोध कर रही है। छात्रा अंजलि उप्रेती ने बताया कि कॉलेज में छात्रों के आने से छात्राओं की पढ़ाई और अनुशासन पर असर पड़ेगा। पूर्व में महिला और एमबीपीजी कॉलेज को मर्ज करने के लिए प्रस्ताव मांगा गया था। फिलहाल उच्च शिक्षा मंत्री के निर्देश पर कॉलेज का संचालन जैसे हो रहा है, वैसे ही किया जाएगा। डॉ.एनएस बनकोटी,प्राचार्य एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी

महाराणा प्रताप की जयंती पर उत्कृष्ट कार्य करने वालों को नवाजा

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। महाराणा प्रताप विचार मंच की ओर से वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। आईएसबीटी स्थित आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने वालों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान मंदिर बाला जी धाम के महंत हठयोग महाराज ने किया। इसके बाद महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। कार्यक्रम में 12वीं कक्षा में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली अनुष्का राणा और दूसरा स्थान प्राप्त करने वाले केशव भट्ट को महाराणा प्रताप रत्न 2025 से सम्मानित किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली उद्यान अधिकारी भानु प्रिया चौहान, अन्नपूर्णा रोटी क्लब के हरीश चौहान, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्व शिक्षक सुभाष सिह चौहान को सम्मानित किया गया। मंच के प्रदेश अध्यक्ष रतन सिंह चौहान ने कहा कि मंच की ओर से चार स्कूल में चित्र कला और भाषण प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भी में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता योग गुरु आचार्य अरुण कुमार ने की। इस मौके पर डॉ. सुमेर चंद्र रवि, हरि ओम स्वामी महाराज, दर्जाधारी देवेन्द्र भसीन, विजय जोशी, दीपक सोम, गजेंद्र चौहान, आदित्य चौहान, पवन कुमार, राजकुमार, प्रतीक अरोड़ा, वतन सिह चौहान, सुनील पुंडीर, सुरेंद्र सिह चौहान, सविता चौहान, विनीता चौहान, मुकेश राठौर, सुमन सिह, ऐश्वर्या चौहान मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र 20 मई से : रेखा आर्या

जिलावार आयोजन कर वितरित किए जाएंगे 7000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र
कैबिनेट मंत्री ने उच्च अधिकारियों के साथ की योजना समीक्षा बैठक

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में 7000 से ज्यादा आंगनबाड़ी और सहायिकाओं को 20 मई से नियुक्ति पत्र मिलने जा रहे हैं। विभाग ने ज्यादातर पदों के लिए अनअंतिम सूची जारी कर दी है। शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने जल्द से जल्द अंतिम सूची जारी करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को विधानसभा भवन स्थित सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने आंगनवाड़ी नियुक्ति प्रक्रिया की समीक्षा की।

रेखा आर्या ने बताया कि हरिद्वार के अलावा 12 जनपदों की अनअंतिम चयन सूची जारी की जा चुकी है और हरिद्वार की अनअंतिम चयन सूची इस सप्ताह जारी हो जाएगी। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने अधिकारियों से कहा कि सूची पर जल्द से जल्द आपत्तियां मंगाई जाए और उनका निस्तारण तय समय सीमा में किया जाए।

बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि 20 मई से नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे ।नियुक्ति पत्र प्रदान करने के लिए जिलावार कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने मुख्यमंत्री जच्चा बच्चा शुभ जीवन योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्रदेश की महिलाओं के गर्भ धारण करने के बाद से अगले 1000 दिन तक उनकी स्वास्थ्य देखभाल, पोषण और संतान उत्पत्ति के बाद बच्चों के लालन पालन में सहायता सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने इस योजना को अंतिम रूप देकर जल्द से जल्द कैबिनेट से पारित कराने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना में जरूरी संशोधन कर उसे भी कैबिनेट से जल्द पारित कराने के निर्देश दिए गए। इस योजना में एकल महिलाओं को रोजगार के लिए डेढ़ लाख रुपए तक की सब्सिडी जानी है।

बैठक में सचिव चंद्रेश कुमार, निर्देशक प्रशांत आर्य, उप निदेशक विक्रम सिंह, आरके बलोदी, मोहित चौधरी व अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

महिला कल्याण कोष से मिलेगी तुरंत राहत

बैठक में महिला कल्याण कोष और मुख्यमंत्री महिला एवं बाल बहुमुखी सहायता निधि योजना पर भी चर्चा की गई । कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इस योजना का संचालन आबकारी विभाग द्वारा लगाए गए सेस से प्राप्त धन से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत आपदा, हादसा होने या किसी बच्चे के अनाथ होने समेत, दिव्यांग बच्चों व् महिलाओं को किसी संकट और परेशानी के समय त्वरित आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके तहत जरूरत के अनुसार 5000 से 25000 की सहायता राशि आवेदन के एक सप्ताह के भीतर देना सुनिश्चित किया जाएगा।

अब ग्रेजुएशन के बाद भी मिलेगा नंदा गौरा योजना के तहत पैसा

राज्य में संचालित नंदा गौरा योजना के तहत फिलहाल 12वीं पास करने के उपरांत ग्रेजुएशन में एडमिशन ले लेने के समय पात्र बालिकाओं को 51 हजार रुपए की धनराशि दी जाती है। जल्द ही इस योजना के तहत ग्रेजुएशन या 12वीं के बाद कोई स्किल बेस्ड कोर्स पूरा करने पर भी सहायता राशि दी जाएगी । शुक्रवार को हुई बैठक में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने इस योजना की समीक्षा करते हुए योजना में नए प्रावधान जोड़ने के निर्देश दिए ।उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी नए बदलावों का अंतिम प्रारूप तैयार करके जल्द से जल्द उनके समक्ष फाइल भेजें।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री धामी ने की पलायन ..

विकसित करें और उन्हें योजना निर्माण प्रक्रिया में भी शामिल करें। उन्होंने स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं की पहचान करने और स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने हेतु कौशल विकास पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देशित किया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पेशेवर दक्षता प्रदान की जाए, ताकि उनके उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग बेहतर हो सके और उन्हें अपने उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके।

पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एस.एस. नेगी ने बैठक में आयोग द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 2,000 लोगों ने राज्य में रिवर्स पलायन कर कृषि, पशुपालन, पर्यटन, होम स्टे, बागवानी और अन्य क्षेत्रों से जुड़कर स्वरोजगार अपनाया है और वे अच्छा लाभ कमा रहे हैं। बैठक में उपस्थित अन्य सदस्यों ने भी महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने योजनाओं के सरलीकरण के निर्देश देते हुए कहा कि आयोग को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नियोजन, शिक्षा, पर्यटन, कौशल विकास जैसे विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष श्री विश्वास डाबर, पलायन निवारण आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एस.एस. नेगी, सदस्य श्री रामप्रकाश पैन्यूली, श्री सुरेश सुयाल, श्री दिनेश रावत, अपर आयुक्त ग्राम्य विकास श्री राजेन्द्र सिंह रावत समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। यह पहल निश्चित रूप से उत्तराखंड को आत्मनिर्भर बनाने और पलायन की समस्या से निपटने में मील का पत्थर साबित होगी।

प्राचीन भारतीय शास्त्रों का ज्ञान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिये लाभकारी

काशीपुर । भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) व ब्रुनेल यूनिवर्सिटी लंदन के सहयोग से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पहले दिन विकसित भारत 2047 की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप, भारत के सतत विकास पथ को लेकर विद्वानों, शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों ने चर्चा की। पूर्व राजदूत सीएम भंडारी ने कहा कि प्राचीन भारतीय शास्त्रों का ज्ञान हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी है। पहले दिन 45 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। शुक्रवार को आईआईएम में 'भारत के भविष्य के लिए सतत प्रबंधन रणनीतियां विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। तीन दिनों के सम्मेलन में कुल 101 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाने की योजना है।

पहले दिन प्रस्तुत विषयों में भारतीय ज्ञान प्रणाली, प्रबंधकीय कौशल और नेतृत्व, कार्यबल में कल्याण, सतत व्यावसायिक प्रथाएं, रचनात्मक सोच, कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, वित्तीय साक्षरता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका जैसे विविध और समसामयिक मुद्दे शामिल रहे। भारत के पूर्व राजदूत सीएम भंडारी, आईआईएम अहमदाबाद के प्रो. सतीश देवधर, ब्रुनेल यूनिवर्सिटी लंदन के प्रो. मोनोमिता नंदी और प्रो. रॉबिन जार्विस ने सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। वहीं, उद्योग जगत का प्रतिनिधित्व वी-गार्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सीनियर जनरल मैनेजर और प्लांट हेड जितेंद्र राणा एवं कंट्रोल एश्योरेंस एंड गवर्नेंस हेड चेतन चोपड़ा ने किया। आईआईएम अहमदाबाद के संकाय डीन प्रो. सतीश देवधर ने भारत के प्राचीन ज्ञान की समकालीन प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

निवेश के नाम पर 25 लाख ठगी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। निवेश के नाम पर 25 लाख रूपये की धोखाधडी के मामले में दम्पत्ति के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पैसेफिक गोल्फ स्टेट निवासी रोहित अग्रवाल ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह एक व्यवसायी है तथा पैसिफिक गोल्फ एस्टेट, सहस्त्रधारा रोड, में निवास करता है। एक ही सोसाइटी में रहने के कारण उसकी अनंदिता भारद्वाज व विव्रफांत भारद्वाज से जान पहचान हो गयी थी। उनके द्वारा अपनी चिकनीचुपड़ी बातों में फंसा कर उसको उनके लिकर स्टोर जिसका नाम गोल्फर्स लिकर एस्टेट है में पैसा निवेश करने के लिए मना लिया और उसने अपने फ्लैट पर विक्रांत को दो लाख रुपये दिए। इसी बीच उसके एक परिचित सूचित त्यागी ने उसको बताया की उसने भी गोल्फर्स लिकर एस्टेट में पैसा निवेश किया हुआ था जो कि उक्त दम्पति द्वारा गबन कर लिया गया था और उसका उनके साथ विवाद चल रहा है। जब उसने यह बात विक्रांत से पूछी तो उसने उसको अपने दूसरे स्टोर लिकर ब्रोस में साझेदार बनाने की बात की जिसपर वह राजी हो गया। उसको इस बात की भनक भी नहीं थी की दम्पत्ति उसके साथ साझेदारी की आड़ में धोखादड़ी का षडयंत्र रच रहे थे। उसने लिकर ब्रोस के खाते में 5-5 लाख के दो भुगतान किये। इसके पश्चात 21. मई 2024 को 5 लाख रुपये अपने खाते से लिकर ब्रोस के खाते में ट्रांसफर किये। इसके पश्चात उसके और आरोपियों के बीच पार्टनरशिप डीड निष्पादित हुई। पार्टनरशिप डीड की क्लॉज में यह स्पष्ट किया गया था कि फर्म लिकर ब्रोस का खाता किसी बैंक में खोला जायेगा परन्तु अनंदिता द्वारा काफी समय बीत जाने के बाद भी किसी बैंक में खाता नहीं खुलवाया तथा अपनी सोल प्रोप्रइटरशिप के नाम पर ही खाता चलाती रही।

पार्टनरशिप डीड के निष्पादन के पश्चात उसके द्वारा 3 लाख रूपए लिकर ब्रोस के खाते में ट्रांसफर किये। उसके बहुत कहने के पश्चात फर्म का एक अकाउंट खुलवाया गया जिसको अनंदिता व्यक्तिगत रूप से चलाती थी परन्तु वह ये जानकार स्तब्ध रह गया कि दम्पत्ति अपने निजी खर्चे फर्म के खाते से कर रहे थे तथा उसके द्वारा निवेश किये गए पैसों को किसी न किसी बहाने से कैश में निकाल रहे थे। इस प्रकार उक्त दम्पत्ति ने निवेश के नाम पर उससे 25 लाख रूपये की धोखाधडी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट& समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सीएम धामी ने सरकारी कर्मियों के समक्ष रखा जनहित में संवेदनशीलता, पूर्ण निष्ठा व सरलीकरण से कार्य करने का मूलमंत्र

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। सीएम धामी ने सरकारी कर्मियों को आमजन के हित में संवेदनशीलता जिम्मेदारी, पूर्ण निष्ठा व सरलीकरण से कार्य करने की नसीहत देते हुए कहा कि शासकीय कार्मिको की कलम से निकले शब्द केवल शासकीय आदेश नहीं होते, बल्कि दूर-दराज के गाँवों में बसे प्रत्येक नागरिक के जीवन में आशा की किरण बनकर उजियारा करते हैं। कार्मिको के परिश्रम, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा ही उत्तराखंड की प्रगति की दिशा और दशा निर्धारित करने वाली प्रमुख धुरी है। सचिवालय में उत्तराखण्ड सचिवालय संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड की समस्त जनता की ओर से भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शित किए जा रहे अद्वितीय शौर्य और पराक्रम के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सैनिकों के अदम्य साहस और पराक्रम पर

हम सभी को गर्व है। युद्ध जैसे हालातों के बीच वीर भूमि उत्तराखंड का बच्चा-बच्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपने जवानों के साथ है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय परिसर में 6 मंजिला वैकल्पिक नए भवन निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सचिवालय केवल ईंट-पत्थरों से बना एक भवन नहीं, बल्कि ये हमारे प्रदेश की शासन व्यवस्था की आत्मा है। यह प्रदेश के नीति-निर्माण का वो केंद्र है, जहां से राज्य के प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण हेतु निर्णय लिए जाते हैं। उत्तराखंड सचिवालय में कार्यरत हमारे अधिकारी और कर्मचारीगण शासन और जनता के बीच की वो महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनके माध्यम से सरकार की नीतियां जन-जन तक पहुँचती हैं।

शासन तथा कर्मचारी संगठनों के बीच विश्वास, सहयोग और संवाद का सेतु अधिक मजबूत हुआ:

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याएं केवल फाइलों और कागजों में नहीं सुलझतीं, बल्कि उन्हें दिल से सुनकर और जमीनी सच्चाई के साथ समझकर ही परस्पर संवाद द्वारा समाधान तक पहुँचाया जा सकता है। आज शासन तथा कर्मचारी संगठनों के बीच विश्वास, सहयोग और संवाद का सेतु पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है। हमारी सरकार ने सचिवालय कर्मियों के हित में कई ऐतिहासिक निर्णय लेकर उनके कल्याण हेतु अनेकों कार्य किए हैं। जहां एक ओर हम सचिवालय भवन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं सचिवालय के कार्मिकों के कल्याण हेतु विभिन्न योजनाओं और निर्णयों के माध्यम से उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए भी निरंतर प्रयासरत हैं।

सचिवालय में आधुनिक सुविधाओं का विकास:

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सचिवालय परिसर में 6 मंजिला नए भवन के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की है, जिससे अनुभागों को बेहतर कार्य सुविधा मिल सकेगी। साथ ही, अनुभागों एवं निजी सचिवों के कार्यालय हेतु फर्नीचर और कंप्यूटर क्रय के लिए 3 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही, सचिवालय संघ भवन का जीर्णोद्धार, सचिवालय कैंटीन का सौंदर्यीकरण और बैडमिंटन कोर्ट का जीर्णोद्धार जैसे विभिन्न कार्यों के द्वारा सचिवालय को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने का प्रयास किया है। यहीं नहीं, पार्किंग की समस्या के समाधान हेतु हमने लगभग 70 कारों की क्षमता वाली पार्किंग का निर्माण भी कराया है।

सरकारी कर्मियों के हित में कल्याणकारी निर्णय:

मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिवालय कर्मियों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए हमारी सरकार ने ब्लड कलेक्शन सेंटर की स्थापना की है, जहां लगभग 270 प्रकार की जाँचें निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। हमने एक ओर जहां कार्मिकों के बच्चों के लिए वातानुकूलित क्रेच सेंटर की स्थापना की है, वहीं अत्याधुनिक फिजियोथेरेपी सेंटर की व्यवस्था भी की है। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश की महिला कार्मिकों को एक वर्ष के उपरांत भी पूरे दो वर्षों तक सवैतनिक बाल्य देखभाल अवकाश (सी.सी.एल.) की सुविधा प्रदान की जा रही है। साथ ही, कर्मचारियों के हित में 25 लाख रुपये की राशि कर्मचारी कल्याण कोष में स्वीकृत की गई है, जिससे अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। इसके साथ ही, हमने कर्मचारियों की मांग के अनुरूप जीआईएस की राशि को दोगुना करने के साथ-साथ कार्मिकों के लिए कॉर्पोरेट सैलरी पैकेज की सुविधा भी लागू की है, जिसमें निःशुल्क इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं।

सचिवालय की कार्यप्रणाली डिजिटल व ई-गवर्नेंस के माध्यम से और अधिक प्रभावी व कुशल बनी:

मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिवालय में कार्यरत कर्मियों को ए.सी.पी. और समयबद्ध पदोन्नति जैसे लाभ भी सुनिश्चित कराए गए हैं। हमने सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई के समय मोमेंटो और अंगवस्त्र प्रदान करने की परंपरा भी शुरू की है साथ ही, सेवानिवृत्ति की ग्रैज्युटी राशि को भी 20 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दिया गया है। हमारी सरकार केवल समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारा प्रयास है कि हम एक ऐसा सचिवालय बनाएं, जहां कार्यप्रणाली डिजिटल, पारदर्शी और कार्यकुशल हो और हर निर्णय में जनहित को सर्वोपरि रखा जाए। हमने सचिवालय की कार्यप्रणाली को ई-गवर्नेंस के माध्यम से अधिक प्रभावी और उत्तरदायी बनाया है। हम फाइल मूवमेंट को सुव्यवस्थित और ट्रैक करने के लिए फाइल मूविंग मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं, जिससे कार्यों में अनावश्यक विलंब समाप्त हो रहा है और कार्यप्रणाली दक्ष बन रही है। कर्मचारियों की डिजिटल सर्विस बुक की प्रक्रिया भी तीव्र गति से आगे बढ़ रही है, साथ ही कार्यालय को पेपरलेस बनाने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इन सभी प्रयासों के माध्यम से हम जहां एक ओर सचिवालय कर्मियों के बोझ को तकनीकी साधनों द्वारा कम करने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं उनकी कार्यक्षमता को और अधिक सहज, सरल और प्रभावशाली बना रहे हैं। हमारी सरकार उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने विकल्प रहित संकल्प'' को साकार करने हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर विधायक खजानदास, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, आर के सुधांशु, सचिव दीपेन्द्र कुमार चैधरी, विनोद कुमार सुमन, सैन्य अधिकारी, समस्त सचिवालय कार्मिक व सचिवालय संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कृषि विकास को मिली नई दिशा: राजस्थान और उत्तराखंड मिलकर बढ़ाएंगे एग्रो प्रोसेसिंग और प्राकृतिक खेती

इंडिया वार्ता ब्यूरो

जयपुर/देहरादून। देश के कृषि परिदृश्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राजस्थान और उत्तराखंड के कृषि मंत्रियों के बीच आज जयपुर में एक शिष्टाचार भेंट हुई। इस अवसर पर उत्तराखंड के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने अपने राजस्थानी समकक्ष डॉ. किरोड़ी लाल मीणा से मुलाकात की, जहाँ दोनों राज्यों के कृषि विकास, विशेषकर एग्रो प्रोसेसिंग और प्राकृतिक खेती के विस्तार पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

कृषि पंत भवन में हुई यह मुलाकात बेहद सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई। दोनों मंत्रियों ने एग्रो प्रोसेसिंग यूनिटों की स्थापना, जैविक खेती के व्यापक विस्तार, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन को बढ़ावा देने, विशिष्ट कृषि उत्पादों के लिए भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त करने, जैतून उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा श्री अन्न (मिलेट्स) के क्षेत्र में नवाचारों जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इसके साथ ही, कृषि क्षेत्र के अनुभवों को साझा करने और भविष्य में आपसी सहयोग की संभावनाओं पर भी गहराई से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में दोनों राज्यों में कृषि विविधीकरण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें जलवायु उपयुक्त फसल, फल और सब्जियों के उत्पादन पर विशेष जोर दिया गया।

उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने अपने राज्य की कृषि क्षमताओं से अवगत कराते हुए बताया कि उत्तराखंड में प्राकृतिक खेती, औषधीय पौधे, सुगंधित फूल, शहद और ड्रैगन फ्रूट जैसे उत्पादों की अच्छी पैदावार होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि राजस्थान भी जलवायु अनुकूल पौधों की ऐसी किस्मों को अपना सकता है। आपसी सहयोग को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उन्होंने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी रखा, जिसके तहत दोनों राज्यों के प्रतिनिधिमंडल एक-दूसरे के यहां का दौरा कर योजनाओं और उत्पादित फसलों व फलों का अध्ययन करेंगे, ताकि जनकल्याणकारी योजनाओं को अपनाकर किसान हित में बेहतर कार्य किया जा सके।

जोशी ने यह भी बताया कि उत्तराखंड में मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा बीज पर सब्सिडी दी जा रही है। राज्य में वर्ष भर मशरूम का उत्पादन होता है, और बुरांश के फूलों का बहुतायत मात्रा में उत्पादन होता है, जिससे बना शरबत हृदय रोगियों के लिए अत्यंत लाभकारी माना जाता है। उन्होंने %हाउस ऑफ हिमालयास% नामक एक अंब्रेला ब्रांड के बारे में भी जानकारी दी, जो उत्तराखंड के कृषि उत्पादों की ब्रांडिंग कर किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने में सहायक है।

इस दौरान, राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. मीणा ने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पाद भेंट किए, वहीं उत्तराखंड के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने उन्हें रेशम काकून से बनी शाल और एक पहाड़ी टोपी भेंट की। बैठक के अंत में, कृषि मंत्री गणेश जोशी ने राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा को उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा का विशेष आमंत्रण भी दिया।

इस महत्वपूर्ण बैठक में राजस्थान सरकार की ओर से कृषि आयुक्त चिन्मयी गोपाल, उद्यान आयुक्त सुरेश ओला, मो. जुनैद और एमडी सीड निमिषा गुप्ता सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यह बैठक दोनों राज्यों के बीच कृषि क्षेत्र में नवाचार और पारस्परिक सहयोग के नए द्वार खोलेगी, जिससे किसानों की समृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222

डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टियां कैंसिल, राशन-पानी की सप्लाई को लेकर भी निर्देश

देहरादून, इंडिया वार्ता ब्यूरो। भारत द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध की जा रही सख्त कार्रवाई के दृष्टिगत सचिवालय में उच्चस्तरीय बैठक कर सम्बंधित अधिकारियों को प्रत्येक परिस्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार रहने एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के साथ ही वहां तैनात प्रशासनिक इकाइयों को चैकस रखने के निर्देश दिए। प्रदेश के सभी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में जीवन रक्षक दवाइयाँ, सर्जिकल उपकरण और अन्य आवश्यक चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को राज्य में आवश्यक खाद्य सामग्री, राशन और पीने के पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। वहीं राहत और बचाव दलों को भी तैयार रखा गया है ताकि आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। बैठक के दौरान अफवाहों से बचने और जनता को सही समय पर जानकारी देने के लिए सूचना विभाग को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए।